दैनिक भास्कर
रविवार, 29 अगस्त, 2021 नोएडा

राधा के श्याम, मीरा के भी श्याम

ग्लोबल हो चुके हैं श्री कृष्ण

गीतांजलि सक्सेना

देश कृष्ण भक्ति में लीन है। कृष्ण भक्तों के लिए कृष्ण जन्माष्टमी त्योहार एक महापर्व है। विष्णु के आठवें अवतार श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा नगरी भक्ति के रंगों से सराबोर हो जाना कृष्ण के प्रति लोगों का प्रेममय भावनाओं और उनसे जुड़ी हर मान्यताओं एवं परम्पराओं पर विश्वास को दर्शाता है। देशभर के कृष्ण मन्दिरों को इस अवसर पर खास तरह से सजाया जाता है व झांकियों के माध्यम से कृष्ण की लीलाओं को दिखाया जाता है। बाल गोपाल का जन्मोत्सव का जश्न मनाने का अवसर दिव्य शक्ति से ओतप्रोत और आनंदमय रहता है। द्वापर युग में जन्मे कृष्ण को सर्वश्रेष्ठ युगपुरुष का स्थान दिया गया है।

धार्मिक कथाओं और मान्यताओं के अनुसार, वृंदावन को कृष्ण की आस्था का केन्द्र माना जाता है, जहां की गलियों से लेकर हर एक कोने में भगवान के अस्तित्व की झलक को महसूस किया जा सकता है। विष्णु पुराण में वृंदावन में कृष्ण की लीलाओं का वर्णन विस्तार से किया गया है। राधा के प्रति कृष्ण के प्रेम को रासलीला के रूप में व्यक्त किया गया है। जानकारों के मुताबिक, वृन्दावन का निधिवन में राधा कृष्ण की रास रचाने की रहस्यमय कहानियां आज भी प्रचलित हैं। अनेकों भ्रांतियों का आभास वहां होता है। यहां लगे तुलसी के हर पौधे का जोड़े में होने के पीछे अनेक राधे-श्याम के प्रेम प्रसंग की लीलाएं हैं, जो कि हमेशा आकर्षण का केंद्र रहा है।

आज भी शारदीय पूर्णिमा के दिन कृष्ण और गोपियों के साथ रूमानी रासलीला का आयोजन किया जाने का चलन है। भक्ति काल के पन्नों को पलटें, तो अनेकों कवियों ने अपनी कविताओं में प्रेम रास रंग का अद्भुत वर्णन किया है। बाल्य काल की अनेकों लीलाएं जैसे कृष्ण की शरारतों की, उनकी अठखेलियों से जुड़ी कथाओं में बालक और युवा कृष्ण की लीलाओं को नाटकीय रूप में जगह-जगह पर मंचन किया जाता है।

हिन्दू धर्म में प्रेम और करुणा के प्रतीक भगवान कृष्ण को अर्जुन के साथ कर्म, धर्म और मोक्ष के बारे में ज्ञान साझा करने के लिए महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। आस्था और विश्वास का त्योहार जन्माष्टमी के दिन इस वर्ष अनोखी तिथियों का संयोग बन रहा है। धार्मिक विषयों के जानकारों के मुताबिक, छह तत्वों का एक साथ मिलना दुर्लभ संयोग है, जो कि लोगों के लिए उत्तम लाभकारी सिद्ध होगा। वहीं दूसरी ओर ज्योतिषियों के अनुसार भी इस दिन का खास महत्व है। ज्योतिष शास्त्र में विश्वास रखने वाले लोगों के लिए उपाय ... कुंडली में चंद्रमा यदि कमजोर स्थिति में हो, तो उन्हें इस दिन व्रत रखने से लाभ होगा, संतान प्राप्ति के लिए भी अच्छा है। यही नहीं अविवाहित लड़कियां व्रत रखकर झूला

झुलाती हैं, उनके विवाह के शीघ्र योग बनते हैं।

किसी भी शास्त्र में विश्वास और उन पर वैचारिक मतभेद होना हर व्यक्ति की अपनी सोच के दायरे में आता है। उन विधियों को स्वीकार कर के अपनाने की उन्हें पूर्ण स्वतंत्रता होती है। हममें से बहुत लोग ऐसे भी हैं, जिनकी किताब में कर्म ही पूजा है, और कर्तव्य पालन ही ईश्वर के प्रति सच्ची भक्ति है। आस्था और विश्वास की यह परिभाषा वास्तव में आज के संदर्भ में दुनिया भर में सटीक साबित हो सकती है।

कृष्ण के व्यक्तित्व को समझने की कोशिश करें, तो हम पाएंगे कि हमस ब उन्हें भिन्न-भिन्न रूप में देखते हैं। कोई उन्हें योगेश्वर भगवान, तो कोई राधा का कृष्ण व द्रौपदी का सखा, अर्जुन के गुरु तो सूरदास के कृष्ण बालक या मीराबाई की कृष्णभक्ति और प्रेम तो ऐसी मिसाल है, जिन्होंने अपना जीवन कृष्णदर्शन के लिए समर्पित किया। दरअसल, उन्हें एक सच्चे मित्र, प्रेरणादायक व मार्गदर्शक के रूप में देखने से आसानी से समझा जा सकता है, क्योंकि कृष्ण की शिक्षाएं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में और भी अधिक प्रासंगिक हो गई है। उन्होंने अपने भक्तों के लिए कर्म का मार्ग प्रशस्त किया, चाहे युद्ध का मैदान रहा हो या समाज और मानव कल्याण के प्रति जागरूक होना रहा हो। इस भाव को परम कर्तव्य कहा कि फल की चिन्ता न करो, उन सभी कर्मों को मुझे समर्पित करो। इसी मार्ग को अपनाकर मुझे प्राप्त कर सकते हो। कर्म एक जीवनशैली है, जो सकारात्मक सोच और कार्यों को पूरा करके ही मददगार साबित हो सकती है। श्रीकृष्ण के दर्शन शास्त्र एक विचारधारा है, जो जीवन और जगत के प्रति एक दृष्टिकोण रखता है। इसी में जीवन की विभिन्न जटिलताओं और कठिनाइयों का हल दर्शन ज्ञान रूप में छुपे हुए हैं। दर्शन शब्द को व्यापक रूप से भी जोड़ा जाता है, जो आत्मा परमात्मा के स्वरूप तथा ब्रह्मांड की व्याख्या करता है, जिसका मूल सिद्धांत है ... कोई भी धर्म कभी भी अच्छे कर्म करने में बाधा नहीं बनते हैं।

जन्माष्टमी के अवसर पर द्वापर युग में भक्तों के लिए श्रीकृष्ण द्वारा दिए कुछ उपदेशों को वर्तमान समय में कोविड काल में सफलता के मंत्र के रूप में धारण करना एक स्वस्थ और सकारात्मक विकल्प साबित हो सकता है।

डर के आगे जीत ही है- मुसीबतों या चुनौतियों से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उसका सामना करना ही सबसे बड़ी शक्ति है। कर्तव्यों को सच्चाई और ईमानदारी से निभाना ही सर्वश्रेष्ठ कर्म व जीवन का धर्म है।

ऋषिकेश बने - अशांत मन को संयमित करना कठिन जरूर है, लेकिन अभ्यास से मन पर नियंत्रण करने से सफलता हासिल की जा सकती है।

ऋतुओं और सुख या दुख का अनुभव धैर्यपूर्वक करें। ये अनुभव क्षण भंगुर है।

निर्भय और पवित्र बनें: हमें अपने दृढ़ संकल्प या आध्यात्मिक जीवन के प्रति समर्पण रखना होगा। आत्मनिर्भर, सच्चे प्रेममय और सेवा भाव से परिपूर्ण बनो।

स्मृति, ज्ञान और बुद्धि का स्वस्थ होना किसी भी क्षेत्र में सफल होने के लिए जरूरी है। अच्छे-बुरे की परखने की क्षमता को बल मिलता है।

प्रेम, करुणा, विनम्रता और भक्ति को जीवन का आधार बनाकर, निष्काम कार्य करना ही हमारे अधिकारों के क्षेत्र में है। धर्मोपदेशक को दिव्य प्रेम का सार और प्रतीक के रूप में देखा गया है, जो मानव जीवन और दिव्य का प्रतिबिंब है।

भगवान कृष्ण के जीवन और ज्ञान ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए भगवत गीता का अनुवाद दुनियाभर के सभी भाषाओं में उपलब्ध है।जो यह दर्शाता है कि पूरब की गलियारों से निकले श्रीकृष्ण के अनोखे व्यक्तित्व की छाप पश्चिम (विदेशों) में भी बढ़ चढ़ कर बोल रही है। हिन्दू समुदाय के ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में फैले विदेशी कृष्ण भक्तों की दीवानगी हरे रामा हरे कृष्णा मंत्र और भजन को रॉकग्रुप (बिटल्स) ने तो इसे घर-घर पहुंचा दिया। वहां की सड़कों पर ढोल मंजीरा के साथ गाते नाचते देखना सुखद अनुभव है। विदेशों में भी उनकी लोकप्रियता देखकर अचरज होता है। दरअसल इसकी एकमात्र वजह है ... भगवान श्रीकृष्ण में मानवीय गुणों का ज्यादा होना। उनके जीवन से जुड़े हुए हर एक पहलू से जीने का मकसद ढूंढा जा सकता है। चाहे साधारण बालक की तरह कृष्ण का बचपन हो, जो शरारत और खेलकूद से भरा रहा, तो युवावस्था में मनमौजी, अल्हड़ या गोपियों के श्यामसुंदर उनके हर रूप, आचार-व्यवहार को हम आज के युवाओं के स्वभाव के साथ जोड़कर देख सकते हैं। युद्ध में उनकी कूटनीति, युद्धकला में व्यवहार कुशलता व निपुणता को हर व्यक्ति को अपनी जमीनी जंग लड़ने में मदद मिल सकती है। भगवान कृष्ण के दार्शनिक तत्त्वों का ज्ञान ... विश्व में बड़ी तादाद में तलाशते प्रेम, शांति और खुशियां प्राप्त करने वाले भक्तों को प्रेरित करता है। अच्छे कर्मों पर निवेश कीजिए, जो आपको वापसी में मिलेगा, हम सब की उम्मीद से, कहीं ज्यादा होगा, यही 'कर्म' जीवन है।